

राष्ट्रीय मानक शिक्षा नीति के अनुसार बी.ए. (वैचलर आफ आर्ट)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार बी.ए. (वैचलर आफ आर्ट)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार बी.ए. (वैचलर आफ आर्ट)

गायन / वादन / नृत्य / ललितकला विभाग प्रथम वर्ष 2021 की स्कीम (अंक विभाजन एवं क्रेडिट सिस्टम)

क्र.स.	पेपर का नाम	प्रश्न पत्र	विषय	वि.शि.	आंतरिक	उत्तीर्ण	पूर्णांक	क्रेडिट	टी. क्रेडिट
				परीक्षा (U.E.)	परीक्षा (CCE)	अंक			
1	मुख्य विषय (वैचलर)	प्रथम	सैद्धांतिक-गायन / तबला / स्वर वाद्य / नृत्य / ललितकला	75	25	25+8=33	100	03	12
			प्रायोगिक-गायन / तबला / स्वरवाद्य / नृत्य / ललितकला	75	25	25+8=33	100	03	
			सैद्धांतिक-गायन / तबला / स्वर वाद्य / नृत्य / ललितकला	75	25	25+8=33	100	03	
2	गौण विषय (माईनर)	एक अपोजिट	प्रायोगिक-गायन / तबला / स्वरवाद्य / नृत्य / ललितकला	75	25	25+8=33	100	03	06
			सैद्धांतिक-गायन / तबला / स्वर वाद्य / नृत्य / ललितकला	75	25	25+8=33	100	03	
			प्रायोगिक-गायन / तबला / स्वरवाद्य / नृत्य / ललितकला	75	25	25+8=33	100	03	
3	ओपन इलेक्टिव (वैकल्पिक)	प्रथम (एक)	सैद्धांतिक-भारतीय संगीत का सामान्य ज्ञान / एन.एस.एस. म.प्र. की संगीत विद्यालय / शारीरिक शिक्षा / म.प्र. के लोक नृत्यों का सामान्य परिचय	75	25	25+8=33	100	03	06
			प्रायोगिक-भारतीय संगीत का सामान्य ज्ञान / एन.एस.एस. / म.प्र. की संगीत विद्यालय / शारीरिक शिक्षा / म.प्र. के लोक नृत्यों का सामान्य परिचय	75	25	25+8=33	100	03	
4	व्यावसायिकविषय (कौशल सर्वान)	प्रथम (एक)	व्यक्तित्व विकास / डिजिटल मार्केटिंग / हस्त शिल्प / चिकित्सा निदान (संगीत चिकित्सा निदान)	75	25	25+8=33	100	04	04
			व्यक्तित्व विकास / डिजिटल मार्केटिंग / हस्त शिल्प / चिकित्सा निदान	75	25	25+8=33	100	04	
5	अनिवार्य विषय आचार पाठ्यक्रम (योग्यता सर्वान)	प्रथम	हिंदी भाषा	50	निरंक	17	100	02	04
			अंग्रेजी भाषा	50	निरंक	17	100	02	
			पर्यावरण अध्ययन	50	निरंक	17	100	02	
6	मुख्य विषय से सम्बन्धित	एक	योग एवं ध्यान	50	निरंक	17	100	02	04
			फौलड प्रोजेक्ट / इन्टर्शिप / एग्स्ट्रिन्शिप / कन्व्यूनिटी इंगेजमेंट	100	निरंक	33	100	04	
				कुल			1200		40

Designed by dr. sanjay kumar singh

Sanjay

मुख्य

राजाभानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वा.

Part – A Introduction

Programme – Certificate Course		Class – B.A. 1 st Year	Year – 2021	Session : 2020-22
Subject – भारतीय संगीत (वादन) तंत्र एवं सुषिरवाद्य				
1	Course Code	AI- MVADIT		
2	Course Title	भारतीय संगीत के सिद्धांत - 1		
3	Course Type	कोर कोर्स		
4	Prerequisite	1) कक्षा 12वीं में कई बच्चे संगीत विषय लेकर पास होते हैं वह यह कोर विषय के रूप में चुन सकते हैं। 2) यह विषय सर्टिफिकेट या डिप्लोमा कोर्स के रूप में भी लिया जा सकता है।		
5	Course Learning outcomes	1) विद्यार्थी इसे अपनी जीविका का साधन बना सकता है 2) दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये अत्यंत उपयोगी हो सकता है। 3) विद्यार्थी भारतीय संगीत के महत्व को समझ सकता है।		
6	Credit Value	सैद्धांतिक (लिखित) – 2 Credit		
7	Total Marks	Max marks 25+75	Min Passing Marks : 33	


Uain
30/5/2021
(डा० राजीव जैन)
सह

Part – B – Content Of The Course

Total No. of Lectures – Tutorial – Practical : 30 Lectures in a year

Total Lectures : 30 Hours

Unit	Topic	No. of Lectures
1	यूनिट का नाम – भारतीय संगीत की विरासत	6
	1) संगीत का अर्थ एवं परिभाषा एवं विशेषतायें	
	2) संगीत एवं दर्शन	
	3) संगीत की उत्पत्ति संबंधी अवधारणायें या मत	
2	यूनिट का नाम – संगीत एवं ललित कला	6
	1) संगीत की तीनों विधाओं का परिचय संगीत का ललित कला में स्थान	
	2) वादन का संगीत में महत्व	
	3) अपने वाद्य की (सितार, वायलिन, बांसुरी जो भी हो) सम्पूर्ण जानकारी	
3	यूनिट का नाम – संगीत की पारिभाषिक शब्दावली	6
	1) नाद, व उसकी विशेषतायें एवं प्रकार	
	2) स्वर, की परिभाषा उसके प्रकार कोमल विकृत	
	3) वादन से संबंधित शब्दावली तोड़ा झाला, मीड़, कृतन, जमजमा, घसीट, सूत, गज	
4	यूनिट का नाम – राग एवं ताल अध्याय	6
	1) राग व ठाठ का परिचय भारतीय संगीत के 10 ठाठ	
	2) राग से संबंधित शब्दावली अलंकार (रागों में) एवं वर्ण वादी, संवादी, अनुवादी विवादी	
	3) ताल का परिचय एवं महत्व दादरा कहरवा रूपक, तीनताल के साधारण ठेके व दुगन का ज्ञान	
5	यूनिट का नाम – भारतीय संगीतज्ञ और उनका योगदान एवं राग परिचय	6
	1) विष्णु नारायण भातखण्डे, विष्णु दिगम्बर पलूस्कर तानसेन का जीवन परिचय व सांगीतिक योगदान	
	2) विष्णु दिगम्बर व विष्णु नारायण जी की स्वर लिपियों का ज्ञान	
	3) यमन भूपाली, विलावल काफी रागों का शास्त्रीय परिचय	

R Jain
(डॉ० राजीव जैन)


Part – C Learning Resources

Text Books – References Books Others Resources

1	संगीत बोध	लेखक – डॉ. शरतचंद्र परांजपे प्रकाशक – हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल
2	प्राचीन भारत में संगीत	लेखक – डॉ. धर्मावती श्रीवास्तव प्रकाशक – भारतीय विद्या प्रकाशन वाराणसी
3	संगीत निबंध माला	लेखक – पं. जगदीश नारायण पाठक प्रकाशक – पाठक पब्लिकेशन इलाहाबाद
4	संगीत निन्धावली	लेखक- डॉ.टी.आर. शुक्ल प्रकाशक – प्रकाश बुक डिपो बरेली
5	उत्तर भारतीय संगीत	लेखक- डॉ. गुरमीत सिंह माकन प्रकाशक – महामाया पब्लिकेशन नई दिल्ली
6	संगीत विशारद	लेखक – बसंत प्रकाशक – संगीत कार्यालय हाथरस

• Suggested Digital Platform Wabe Link :-

- <https://www.indian-instruments.com/>
- <https://indianculture.gov.in/indian-music-and-philosophy>
- https://en.wikipedia.org/wiki/Vishnu_Narayan_Bhatkhande
- https://en.wikipedia.org/wiki/Vishnu_Digambar_Paluskar



Rajan
(डा० राजीव जैन)

Part D- Assessment And Evaluation (Theory)

अधिकतम अंक :	100		
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) :	25		
विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) :	75		
समय :	2 घंटे		
आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	10 marks	
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) :	असाइनमेंट/प्रस्तुति/प्रश्नोत्तरी	10 marks	
	सेमिनार/ अन्य	05 marks	
	कुल	25 marks	
बाहरी मूल्यांकन विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE)	भाग 1: पांच अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)	3×5 = 15	
	भाग 2: पांच लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	5×5= 25	
	भाग 3: पांच दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	7×5= 35	
	कुल	75 marks	

Signature

Rajan
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – A Introduction			
Programme – Certificate Course		Class – B.A. 1 st Year	Year – 2021
Session : 2020-22			
Subject - Indian Music (Vadan) Tantra and Sushirvadhya			
1	Course code	A1-MVADIT	
2	Course title	Principles of Indian Music - 1	
3	Course type	core course	
4	Prerequisite	1) Students who have passed 12 th with music subject can take this as the core subject . 2) This subject can be taken as certicate or diploma course.	
5	Course learning outcomes	1) After completion of course student can opt it as means of living. 2) can be very useful for students with disabilities 3) The student can understand the importance of Indian music.	
6	Credit Value	Theoretical (Written) - 2 Credit	
7	Total Marks	Max marks 25+75	Min Passing Marks : 33



R Jain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – B – Content Of The Course

Total No. of Lectures - Tutorial - Practical: 30 Lectures in a year

Total Lectures: 30 Hours

Unit	Topic	No. of Lectures
1	Unit Name - Heritage of Indian Music	6
	1) Definition, meaning and characteristics of music	
	2) Music and Philosophy	
	3) Different Concepts of music Origin.	
2	Unit Name - Music and Fine Arts	6
	1) Introduction to all the three genres of music Music has a place in the fine arts	
	2) Importance of playing music	
	3) Complete knowledge of your instrument (sitar, violin, flute whatever)	
3	Unit Name – Terminology of music	6
	1) Naad, and its characteristics and types	
	2) Definition of “Swar” and their types	
	3) Related terminology – Toda , jhala, meed, Kratan, ghaseet, soot, gaj	
4	Unit Name - Raga and Taal Chapter	6
	1) Introduction or raag and Thaata. Describe 10 Thaata of Hindustani Music	
	2) Raga related words - varna, alankar, vaadi, samvaadi, anuvadi, vivadi	
	3) Introduction and importance of Taal Dadra Kaharwa Rupak, knowledge of simple Theka and dughan of three talas	
5	Unit Name - Indian Musician and their contribution and raga introduction	6
	1) Vishnu Narayan Bhatakhande, Vishnu Digambar Paluskar Tansen	
	2) Knowledge of swar lipi (Scripts) of Vishnu Digambar and Vishnu Narayan ji	
	3) The classical introduction of following raags - Yaman, Bhupali and Bilaval	



Uain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – C Learning Resources

Text Books – References Books Others Resources

1	Sangeet Bodh	Author - Dr . Sharatchandra Paranjpe Publisher - Hindi Granth Academy Bhopal
2	Pracheen Bharat Mein Sangeet	Author - Dr ; Dharmavati Srivastava Publisher - Bhartiya Vidya Prakashan Varanasi
3	Sangeet Nibandh Mala	Author - Pt . Jagdish Narayan Pathak Publisher - Pathak Publication Allahabad
4	Sangeet Nibandhawali	Author – Dr. T.R. Shukl Publisher - Prakash Book Depot Bareilly
5	Uttar Bhartiya Sangeet	Author Dr . Gurmeet Singh Maken Publisher - Mahamaya Publications New Delhi
6	Sangeet Visharad	Author - Basant Publisher – Sangeet Karyalay, Hathras

• Suggested Digital Platform Web Link :-

- o <https://www.indian-instruments.com/>
- o <https://indianculture.gov.in/indian-music-and-philosophy>
- o https://en.wikipedia.org/wiki/Vishnu_Narayan_Bhatkhande
- o https://en.wikipedia.org/wiki/Vishnu_Digambar_Paluskar



RJain
30-5-2021
(डॉ राजीव जैन)

Part D- Assessment And Evaluation (Theory)

Maximum Marks:	100		
Countnous Comprehensive Evaluation (CCE)	25		
University Exams (UE)	75		
Time :	2 Hours		
Internal Assessment : Countnous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test	10 marks	
	Assignment/Presentation/Quize	10 marks	
	Seminar/Others	05 marks	
	Total	25 marks	
External Assessment University Exams (UE)	Section A: Five very short Question (50 Words Each)	$3 \times 5 = 15$	
	Section B: Five Short Question (200 Words Each)	$5 \times 5 = 25$	
	Section C: Five Long Question (500 Words Each)	$7 \times 5 = 35$	
	Total	75 marks	



Rain
30.5.2021
(डा० राजीव जैन)

Part A Introduction

Programme: Certificate Course		Class: B.A. 1st Year	Year: 2021	Session : 2020-21
Subject : भारतीय संगीत वादन (तंत्र एवं सुषिर वाद्य)				
1	Course code	A1-MVADIP		
2	Course Title	क्रियात्मक संगीत प्रायोगिक - 1		
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocation/.....)	कोर कोर्स		
4	Pre-requisite(if any)	1) 12वीं संगीत विषय लेकर उत्तीर्ण हुये विद्यार्थी कोर विषय के रूप में इसे ले सकते हैं। 2) स्नातक स्तर पर एक मुख्य विषय के रूप में चयन कर सकते हैं।		
5	Course Learning outcomes (CLO)	1) यह विषय लेकर पढ़ने वाला विद्यार्थी जीविकोपार्जन अपने विषय के अध्ययन से कर सकता है। 2) भारतीय संगीत की विशेषताएं एवं महत्त्व को जान सकता है। 3) मनुष्य जीवन में संगीत बजाने से रचनात्मक सोच बढ़ती है।		
6	Credit Value	प्रायोगिक : 4 Credit		
7	Total Marks	Max Mrks:25+75	Min. Passing Marks: 33	



Uain
30-5-2021
(डा० रजिब जैन)

Part – B – Content Of The Course

Total No. of Lectures – Tutorial – Practical : 60 Lectures in a year
Total Practical Hours : 60 Hours

Unit	Topic	No. of Lectures
1	राग यमन का पूर्ण परिचय आरोह, अवरोह पकड़ जाति वादी संवादी वादन समय व गतो का ताल के साथ लेखन व अपने वाद्य पर बजाने का अभ्यास (मसीतखानी गत राग यमन में) तीन ताल का पूर्ण परिचय	12
2	राग विलावल का पूर्ण परिचय आरोह अवरोह पकड़ जाति वादी संवादी वादन समय व गतों का ताल के साथ लेखन व अपने वाद्य पर बजाने का अभ्यास, (मसीतखानी गत राग विलावल में) दादरा ताल का पूर्ण परिचय	12
3	राग भूपाली का पूर्ण परिचय आरोह अवरोह पकड़ जाति वादी संवादी, वादनसमय व गतों का ताल के साथ लेखन व अपने वाद्य पर बजाना कहरवा ताल का पूर्ण परिचय	12
4	राग काफी का पूर्ण परिचय आरोह अवरोह पकड़ जाति, वादी संवादी वादन समय व गतो का ताल के साथ लेखन व अपने वाद्य पर बजाना तालों की दुगुन लिखने का अभ्यास (रजाखानी गत राग काफी में)	12
5	भैरवी राग का पूर्ण परिचय आरोह अवरोह पकड़ जाति वादी संवादी वादन समय व गतो का ताल के साथ लेखन व बजाना तालों का हाथ पर प्रदर्शन (रजाखानी गत राग भैरवी में)	12



R Jain
30-5-2021
(डॉ राजीव जैन)

Part – C Learning Resources		
Text Books – References Books Others Resources		
विषय – भारतीय संगीत (तंत्र एवं सुषिर वाद्य)		
1	क्रमिक पुस्तिका भाग- 1	लेखक – विष्णु नारायण भातखण्डे प्रकाशक – संगीत कार्यालय हाथरस
2	क्रमिक पुस्तिका भाग- 2	लेखक – विष्णु नारायण भातखण्डे प्रकाशक – संगीत कार्यालय हाथरस
3	राग परिचय भाग – 1	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
4	राग परिचय भाग – 2	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
5	मधुर स्वर लिपि संग्रह भाग – 1	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
6	मधुर स्वर लिपि संग्रह भाग – 2	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद

• Suggested Digital Platform Wabe Link

- <https://www.anantaajournal.com/archives/2017/vol3issue3/PartG/3-3-95-696.pdf>
- <https://nios.ac.in/media/documents/Carnatic Music 243/carnaticmusicbook1/ch1.pdf>
- <https://indiamusicandculture.weebly.com/indian-musical-instruments.html#:~:text=Indian%20musical%20instruments%20are%20very,other%20hand%20plays%20the%20keyboard>

Srinivas

Uain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part D- Assessment And Evaluation (Pactical)

अधिकतम अंक :	100		
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) :	25		
विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) :	75		
समय :	1 घंटे		
आंतरिक मूल्यांकन:	असाइमेन्ट	10 marks	
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्विज/ओरल क्लास टेस्ट/क्लास प्रेजेन्टेशन	5 marks	
	सेमिनार	5 marks	
	फाइल रिकॉर्ड	5 marks	
	कुल	25 Marks	
	बाहरी मूल्यांकन विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE)	I. वायवा वॉयस	20 marks
	II. प्रायोगिक प्रस्तुति अपने वाद्य पर (एक मसीतखानी एक रजाखानी गत अलाप, तोड़े सहित)	40 marks	
	III. ताल जानकारी	15 marks	
	कुल	75 marks	



R Jain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part A Introduction

Programme: Certificate Course

Class: B.A. 1st Year

Year: 2021

Session : 2020-21

Subject: Indian music playing (tantra and Sushir Vadhya)

1	Course code	A1-MVAD1P
2	Course Title	Kriyatmak Sangeet Practical – 1
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocation/.....)	Core course
4	Pre-requisite (if any)	1) Students who have passed 12th with Music subject can take it as a core subject. 2) Graduate level student can select it as a main subject.
5	Course Learning outcomes (CLO)	1) After completion of course student can earn their living through it. 2) Can know the characteristics and importance of Indian music. 3) Playing music enhances creative thinking in human life.
6	Credit Value	Experimental: 4 Credit
7	Total Marks	Max Mrks:25+75 Min. Passing Marks: 33



Uain

30-5-2021

(डा० राजीव जैन)

Part – B – Content Of The Course

Total No. of Lectures – Tutorial – Practical : 60 Lectures in a year
Total Practical Hours : 60 Hours

Unit	Topic	No. of Lectures
1	Full introduction of Raga Yaman – aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument. (masitkhani gat in raga yaman). Full introduction of teentaal.	12
2	Full introduction of Raga Bilaval – aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument. (masitkhani gat in Raga Bilaval). Full introduction of dadrataal.	12
3	Full introduction of Raga Bhupali – aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument. Full introduction of kahrwa taal.	12
4	Full introduction of Raga Kafi – aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument (rajakhani gat in Raga Kafi). Dugun writing practice of taal.	12
5	Full introduction of Raga Bhairavi – aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument (rajakhani gat in Raga Bhairavi). Showing taal on your hands.	12



Uain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – C Learning Resources

Text Books – References Books Others Resources

Subject - Indian Music (Tantra & Sushri Instrument)

1	Kramik Pustika part-1	Author - Vishnu Narayan Bhatkhande Publisher – Sangeet Karyalaya, Hathras
2	Kramik Pustika part-2	Author - Vishnu Narayan Bhatkhande Publisher - Sangeet Karyalaya, Hathras
3	Raga Parichay part-1	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
4	Raga Parichay part-2	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
5	Madhur swara lipi sangraha part-1	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
6	Madhur swara lipi sangraha part-2	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad

• Suggested Digital Platform Web Link

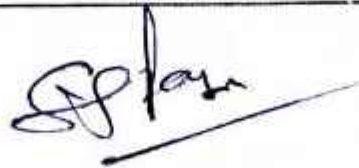
- <https://www.anantaajournal.com/archives/2017/vol3issue3/PartG/3-3-95-696.pdf>
- https://nios.ac.in/media/documents/Carnatic_Music_243/carnaticmusicbook1/ch1.pdf
- <https://indiamusicandculture.weebly.com/indian-musical-instruments.html#:~:text=Indian%20musical%20instruments%20are%20very,other%20hand%20plays%20the%20keyboard>

S. P. Singh

Uain
30-5-2021
(श्री० राजीव जी)

Part D- Assessment And Evaluation (Pactical)**Maximum Marks:** 100**Countnous Comprehensive Evaluation (CCE)** 25**University Exams (UE)** 75**Time :** 1 Hours

Internal Assessment : Countnuos Comprehensive Evaluation (CCE)	Assignment	10 marks	
	Quiz/oral class test/class presentation	5 marks	
	Seminar	5 marks	
	File record	5 marks	
	Total	25 Marks	
External Assessment University Exams (UE)	1. Viva Voice	20 marks	
	2. Practical Presentation and playing your Instrument (one Masitkhani, one rajakhani gat, alap, tode sahit)	40 marks	
	3. Taal Knowledge -	15 marks	
	Total	75 marks	



Uain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – A Introduction

Programme – Certificate Course		Class – B.A. 1 st Year	Year – 2021	Session : 2020-22
Subject – भारतीय संगीत (वादन) तंत्र एवं सुषिरवाद्य				
1	Course Code	A1-MVADIR		
2	Course Title	मध्य प्रदेश की संगीत विरासत (प्राॅक्टिकल)		
3	Course Type	Elective Generic – 1		
4	Prerequisite	3) यह कोर्स का अध्ययन कोई भी विद्यार्थी सर्टिफिकेट डिप्लोमा या डिग्री कोर्स के साथ कर सकता है।		
		4) Elective Generic के रूप में यह कोर्स सभी विषय के विद्यार्थी ले सकते हैं।		
5	Course Learning outcomes	3) यह कोर्स से मध्यप्रदेश में जन्मे संगीतज्ञों का ज्ञान विद्यार्थी को होगा एवं संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान जान पायेगा		
		4) रोजगार मूलक के रूप में विद्यार्थी संगीत समीक्षक या संगीत रिपोर्टर बन सकता है।		
		5) मध्यप्रदेश के लोक संगीत मध्यप्रदेश में आयोजित संगीत समारोह और मध्यप्रदेश के कलाकारों से परिचय का अवसर देता है।		
6	Credit Value	प्रायोगिक : 2 Credit		
7	Total Marks	Max Marks – 25+75		Min passing marks : 33



Uain
30-5-2021
(डा० रजिव जैन)

Part – B – Content Of The Course

Elective Generic Practical - 1

Total No. of Lectures – Tutorial – Practical : 30 Lectures in a year

Total Practical Hours : 30 Hours

Unit	Topic	No. of Lectures
1	हिन्दुस्तानी संगीत के 10 ठाठों में 10 – 10 अलंकार लिखना गाना बजाना दादरा ताल का परिचय हाथ पर प्रदर्शन	6
2	यमन बिलावल रागों का पूर्ण परिचय लिखना व अपने वाद्य पर सरगम गीत बजाना या गाना	6
3	बुन्देलखण्डी लोकगीत की पांच रचनायें गाना अपने वाद्य पर राष्ट्रगान बजाना	6
4	राग काफी भूपाली का शास्त्रीय परिचय एवं अपने वाद्य पर दो रजाखानी गते बजाने का अभ्यास	6
5	तीनताल का पूर्ण परिचय हाथ से प्रदर्शन एवं कोई एक प्रसिद्ध रचना धुन या फिल्मीगीत अपने वाद्य पर बजाने का अभ्यास व प्रदर्शन	6



Uain

30-5-2021

(डा० राजीव जैन)

Part – C Learning Resources

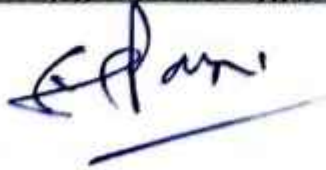
Text Books – References Books Others Resources

विषय – भारतीय संगीत (तंत्र एवं सुषिर वाद्य)

1	क्रमिक पुस्तिका भाग- 1	लेखक – विष्णु नारायण भातखण्डे प्रकाशक – संगीत कार्यालय हाथरस
2	क्रमिक पुस्तिका भाग- 2	लेखक – विष्णु नारायण भातखण्डे प्रकाशक – संगीत कार्यालय हाथरस
3	राग परिचय भाग – 1	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
4	राग परिचय भाग – 2	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
5	मधुर स्वर लिपि संग्रह भाग – 1	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
6	मधुर स्वर लिपि संग्रह भाग – 2	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद

• Suggested Digital Platform Web Link:-

- <https://www.nios.ac.in/media/documents/Hindustani Music 242/hindustanimusictheorybook1/HMB1Ch6.pdf>
- <https://www.jagranjosh.com/general-knowledge/music-in-modern-era-1344326089-1>



R Jain
30-5-2021
(डॉ० राजीव जैन)

Part D- Assessment And Evaluation (Pactical)			
अधिकतम अंक :		100	
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) :		25	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) :		75	
समय :		1 घंटे	
आंतरिक मूल्यांकन:	असाइमेन्ट	10 marks	
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्विज/ओरल क्लास टेस्ट/क्लास प्रेजेन्टेशन	5 marks	
	सेमिनार	5 marks	
	फाइल रिकॉर्ड	5 marks	
	कुल	25 Marks	
	बाहरी मूल्यांकन विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE)	I. वायवा वॉयस	20 marks
	II. प्रायोगिक प्रस्तुति अपने वाद्य पर (एक रजाखानी गत तान, तोड़े सहित) एक प्रसिद्ध धुन या फिल्मी रचना	40 marks	
	III. ताल जानकारी	15 marks	
	कुल	75 marks	



Rain

30-5-2021

(डा० राजीव जैन)

Part – A Introduction

Programme – Certificate Course

Class – B.A. 1st Year

Year – 2021

Session : 2020-22

Subject - Indian Music (Vadan) Tantra and Sushir Vadhya

1	Course Code	A1-MVAD1R	
2	Course Title	Madhya Pradesh ki Sangeet Virasat	
3	Course Type	Elective Generic – 1	
4	Prerequisite	1) Student with certificate diploma or degree course can take it. 2) Students of any subject can take this course as Elective Generic .	
5	Course Learning results	1) This course will give knowledge of the musicians born in Madhya Pradesh to the students and will know their contribution in the field of music. 2) As an employment oriented student, the student can become a music critic or music reporter . 3) Folk music of Madhya Pradesh gives an opportunity to introduce to the music festival held in Madhya Pradesh and to the artists of Madhya Pradesh.	
6	Credit Value	Experimental : 2 Credit	
7	Total Marks	Max Marks – 25+75	Min passing marks : 33

S. P. Singh

R. Jain
30-3-2021

(डॉ० राजीव जैन)

Part – B – Content Of The Course

Elective Generic Practical - 1

Total No. of Lectures – Tutorial – Practical : 30 Lectures in a year
Total Practical Hours : 30 Hours

Unit	Topic	No. of Lectures
1	10-10 Alankar of 10 Thaats in Hindustani music. Write sing and play on your instrument. Introduction of dadara taal and showing on your hand.	6
2	Writing complete introduction to the raga yaman and bilaval and playing sargam geet on your instrument.	6
3	Singing five composition of Bundelkhandi lokgeet and playing national anthem on your instrument.	6
4	Introduction of raag kafi and bhupali and playing two rajakhani gat on your instrument.	6
5	Full introduction of tritaal, performing on hands and practice and performance of famous composition, tune or filmi song on your instrument.	6

S. J. J.

R. Jain
30-5-2021

(डा० राजीव जैन)

Part – C Learning Resources		
Text Books – References Books Others Resources		
Subject - Indian Music (Tantra & Sushri Vadhya)		
1	Madhur swara lipi sangraha part-1	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
2	Madhur swara lipi sangraha part-2	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
3	Kramik Pustika part-1	Author - Vishnu Narayan Bhatkhande Publisher – Sangeet Karyalaya, Hathras
4	Kramik Pustika part-2	Author - Vishnu Narayan Bhatkhande Publisher - Sangeet Karyalaya, Hathras
5	Raga Parichay part-1	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
6	Raga Parichay part-2	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad

• Suggested Digital Platform Web Link:-

- o https://www.nios.ac.in/media/documents/Hindustani_Music_242/hindustanimusictheorybook1/HMB1Ch6.pdf
- o <https://www.jagraniosh.com/general-knowledge/music-in-modern-era-1344326089-1>

ए. राजीव



Uain
30-5-2021

(डॉ० राजीव जैन)

Part D- Assessment And Evaluation (Pactical)			
Maximum Marks:		100	
Countinous Comprehensive Evaluation (CCE)		25	
University Exams (UE)		75	
Time :		1 Hours	
Internal Assessment : Countinuos Comprehensive Evaluation (CCE)	Assignment	10 marks	
	Quiz/oral class test/class presentation	5 marks	
	Seminar	5 marks	
	File record	5 marks	
	Total	25 Marks	
External Assessment University Exams (UE)	1. Viva Voice	20 marks	
	2. Practical Presentation and playing your Instrument (one rajakhani gat, taan, tode sahit)	40 marks	
	3. Taal Knowledge -	15 marks	
	Total	75 marks	

Splaxi

R Jain

30-5-2021

(डॉ० राजीव जैन)

Part – A Introduction

Programme – Certificate Course		Class – B.A. 1 st Year	Year – 2021	Session : 2020-22
Subject – भारतीय संगीत (वादन) तंत्र एवं सुषिरवाद्य				
1	Course Code	A1-MVAD2T		
2	Course Title	भारतीय संगीत के सिद्धांत - 2		
3	Course Type	कोर कोर्स		
4	Prerequisite	1) कक्षा 12वीं में संगीत विषय लेकर उत्तीर्ण विद्यार्थी यह विषय ले सकता है। 2) B.A. में अपनी रुचि के अनुसार भी यह विषय का चयन कर सकता है।		
5	Course Learning outcomes	1) इस कोर्स में विद्यार्थी ध्वनि व संगीत के संबंध को समझ सकता है। 2) भारतीय संगीत के इतिहास को समझ सकता है। 3) ताल व लय के महत्व को समझ सकता है। 4) संगीत विषय का संबंध जीवन में किन-किन पहलुओं से है यह समझ सकता है।		
6	Credit Value	सैद्धांतिक (लिखित) – 2 Credit		
7	Total Marks	Max marks 25+75	Min Passing Marks : 33	

Sain

Sain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – B – Content Of The Course

Total No. of Lectures – Tutorial – Practical : 30 Lectures in a year

Total Lectures : 30 Hours

Unit	Topic	No. of Lectures
1	यूनिट का नाम – संगीत एवं ध्वनि संबंध	6
	1) ध्वनि की परिभाषा संगीत व ध्वनि से संबंधित शब्दावली जैसे सांगीतिक ध्वनि असांगीतिक ध्वनि, आन्दोलन, कम्पन, दोलन, आयाम, तरंग की परिभाषा	
	2) अपने वाद्य का चित्र वर्णन व मिलाने की विधि	
2	यूनिट का नाम – लय व गत प्रकरण	6
	1) लय की परिभाषा एवं प्रकार	
	2) गत की परिभाषा एवं प्रकार	
	3) ताल से संबंधित शब्दावली ठेका, आवर्तन सम, मात्रा, विभाग, ताली खाली, तिहाई आदि	
3	यूनिट का नाम – राग वर्णन एवं गायन शैलियाँ	6
	1) भैरव, दुर्गा, खमाज, विहाग रागों का परिचय एवं वादन	
	2) गीत की शैलियाँ, सरगमगीत, लक्षणगीत, खयाल, भजन, चतुरंग	
	3) गायकों एव वादकों के गुण दोष	
4	यूनिट का नाम – भारतीय संगीत का विभिन्न कालों में अध्ययन	6
	1) प्राचीन व वैदिक कालीन संगीत	
	2) मध्य काल 1200 सदी एवं मुगल काल 1600 ई.से	
	3) आधुनिक काल में संगीत 1700 ई. से आजतक	
5	यूनिट का नाम – संगीत एवं निबंध	6
	1) संगीत और जीवन, संगीत व आत्मीय सुख,	
	2) संगीत एवं भक्ति संगीत एवं अभ्यास	
	3) लोक संगीत व शास्त्रीय संगीत का संबंध	

(Signature)

Rajan
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – C Learning Resources

Text Books – References Books Others Resources

1	संगीत बोध	लेखक – डॉ. शरतचंद्र परांजपे प्रकाशक – हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल
2	प्राचीन भारत में संगीत	लेखक – डॉ. धर्मावती श्रीवास्तव प्रकाशक – भारतीय विद्या प्रकाशन वाराणसी
3	संगीत निबंध माला	लेखक – पं. जगदीश नारायण पाठक प्रकाशक – पाठक पब्लिकेशन इलाहाबाद
4	संगीत निन्धावली	लेखक - डॉ.टी.आर. शुक्ल प्रकाशक – प्रकाश बुक डिपो बरेली
5	उत्तर भारतीय संगीत	लेखक- डॉ. गुरमीत सिंह माकन प्रकाशक – महामाया पब्लिकेशन नई दिल्ली
6	संगीत विशारद	लेखक – बसंत प्रकाशक – संगीत कार्यालय हाथरस

• Suggested Digital Platform Wabe Link :-

- <https://www.britannica.com/science/musical-sound>
- <https://akkarai.in/violin/index.html>
- http://ijrar.com/upload_issue/ijrar_issue_20543773.pdf
- <https://www.india-instruments.com/encyclopedia-sarod.html>
- <https://rivazapp.com/singing-courses/practice-swaras/>

(Signature)

R Jain
30-5-2021
(डॉ० राजीव जैन)

Part D- Assessment And Evaluation (Theory)

अधिकतम अंक : 100

सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) : 25

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) : 75

समय : 2 घंटे

आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	10 marks	
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) :	असाइनमेंट/प्रस्तुति/प्रश्नोत्तरी	10 marks	
	सेमिनार/ अन्य	05 marks	
	कुल	25 marks	
बाहरी मूल्यांकन विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE)	भाग 1: पांच अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)	3×5 = 15	
	भाग 2: पांच लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	5×5= 25	
	भाग 3: पांच दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	7×5= 35	
	कुल	75 marks	

Signature

I Jain
(अ० राजीव जैन)

Part – A Introduction

Programme – Certificate Course		Class – B.A. 1 st Year	Year – 2021	Session : 2020-22
Subject - Indian Music (Recitation) Tantra and Susheer Vadhya				
1	Course Code	A1-MVAD2T		
2	Course Title	Principles of Indian Music - 2		
3	Course Type	Core course		
4	Prerequisite	1) A student who passed the music subject in class XII can take this subject.		
		2) According to his interest in BA , he can also choose the subject.		
5	Course Learning outcomes	1) In this course the student can know the relation of sound and music.		
		2) Can know the history of Indian music.		
		3) Can understand the importance of 'Laya' and 'Taal'		
		4) You can know what aspects of music are related to life.		
6	Credit Value	Theoretical (Written) - 2 Credit		
7	Total Marks	Max marks 25+75	Min Passing Marks : 33	

Signature

V Jain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – B – Content Of The Course

Total No. of Lectures - Tutorial - Practical: 30 Lectures in a year

Total Lectures: 30 Hours

Unit	Topic	No. of Lectures
1	Unit Name – Music & Sound Relations	6
	1) Definition of sound – Musical and Non-musical sound – Andolan, kampann (Vibration), Oscillation , Amplitude, definition of waves	
	2) Picture description of your instrument and method of Tuning of your instrument	
2	Unit Name – Laya and Gat	6
	1) Definition and type of Laya	
	2) Definition and types of Gat	
	3) Words related to Laya, theka, avartan, sam matara, vibhag, taali, khali, tihaai etc.	
3	Unit Name - Raga Descriptions and Singing Styles	6
	1) Introduction and playing of Bhairav, Durga, Khamaj, Vihaaga Ragas	
	2) Geet Shailiyan, sargamgeet, Lakshngeet, Khayal, Bhajan, Chaturang	
	3) Properties and defects of singers and players	
4	Unit Name - Study of Indian music in various periods	6
	1) Ancient and Vedic period music	
	2) Medieval period 1200 century and Mughal period from 1600 AD	
	3) Music in modern period from 1700 AD till date	
5	Unit Name - Music and Essay	6
	1) Music and life, music and soul pleasures,	
	2) Music and devotional (sangeet aur Bhakti) music and practice (sangeet aur abhyas)	
	3) Relation of folk music (Lok sangeet) and classical music	

सत्यम्

Uain
30-5-2021
(डा० राजीव जैन)

Part – C Learning Resources

Text Books – References Books Others Resources

1	Sangeet Bodh	Author - Dr . Sharatchandra Paranjpe Publisher - Hindi Granth Academy Bhopal
2	Pracheen Bharat Mein Sangeet	Author - Dr ; Dharmavati Srivastava Publisher - Bhartiya Vidya Prakashan Varanasi
3	Sangeet Nibandh Mala	Author - Pt . Jagdish Narayan Pathak Publisher - Pathak Publication Allahabad
4	Sangeet Nibandhawali	Author – Dr. T.R. Shukl Publisher - Prakash Book Depot Bareilly
5	Uttar Bhartiya Sangeet	Author Dr . Gurmeet Singh Maken Publisher - Mahamaya Publications New Delhi
6	Sangeet Visharad	Author - Basant Publisher – Sangeet Karyalay, Hathras

• Suggested Digital Platform Web Link :-

- <https://www.britannica.com/science/musical-sound>
- <https://akkarai.in/violin/index.html>
- http://ijrar.com/upload_issue/ijrar_issue_20543773.pdf
- <https://www.india-instruments.com/encyclopedia-sarod.html>
- <https://riyazapp.com/singing-courses/practice-swaras/>

[Handwritten signature]

Uain

30-5-2021

(डा० राजीव जैन)

Part D- Assessment And Evaluation (Theory)			
Maximum Marks:		100	
Countinous Comprehensive Evaluation (CCE)		25	
University Exams (UE)		75	
Time :		2 Hours	
Internal Assessment : Countinous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test	10 marks	
	Assignment/Presentation/Quize	10 marks	
	Seminar/Others	05 marks	
	Total	25 marks	
External Assessment University Exams (UE)	Section A: Five very short Question (50 Words Each)	3×5 = 15	
	Section B: Five Short Question (200 Words Each)	5×5= 25	
	Section C: Five Long Question (500 Words Each)	7×5= 35	
	Total	75 marks	

gelaye

R Jain
30-5-2021

(डॉ० राजीव जैन)

Part A Introduction			
Programme: Certificate Course		Class: B.A. 1 st Year	Year: 2021
Session : 2020-21			
Subject : भारतीय संगीत वादन (तंत्र एवं सुषिर वाद्य)			
1	Course code	A1-MVAD2P	
2	Course Title	क्रियात्मक संगीत प्रायोगिक - 2	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocation/.....)	कोर कोर्स	
4	Pre-requisite(if any)	1) 12वीं संगीत विषय लेकर उत्तीर्ण हुये विद्यार्थी कोर विषय के रूप में इसे ले सकते हैं। 2) स्नातक स्तर पर एक मुख्य विषय के रूप में चयन कर सकते हैं।	
5	Course Learning outcomes (CLO)	1) यह विषय लेकर पढ़ने वाला विद्यार्थी जीविकोपार्जन अपने विषय के अध्ययन से कर सकता है। 2) भारतीय संगीत की विशेषताएं एवं महत्त्व को जान सकता है। 3) मनुष्य जीवन में संगीत बजाने से रचनात्मक सोच बढ़ती है।	
6	Credit Value	प्रायोगिक 4 Credit	
7	Total Marks	Max Mrks : 25+75	Min. Passing Marks : 33

Signature

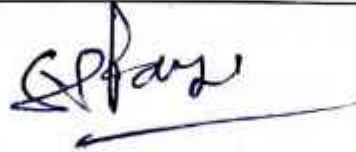
Uain
30-5-2021
(डा० राजीव वैज)

Part – B – Content Of The Course

Total No. of Lectures – Tutorial – Practical : 60 Lectures in a year

Total Practical Hours : 60 Hours

Unit	Topic	No. of Lectures
1	राग भैरव का पूर्ण परिचय आरोह, अवरोह पकड़ जाति वादी संवादी वाद्य समय व गतो को ताल के साथ लेखन व अपने वाद्य पर बजाने का अभ्यास (एक मसीतखानी गत राग भैरव में) तीन ताल का पूर्ण परिचय	12
2	राग दुर्गा का पूर्ण परिचय आरोह अवरोह पकड़ जाति वादी संवादी वाद्य समय व गानो का ताल के साथ लेखन व अपने वाद्य पर बजाने का अभ्यास (एक मसीतखानी गत राग दुर्गा में) दादरा ताल का पूर्ण परिचय	12
3	राग खमाज का पूर्ण परिचय आरोह अवरोह पकड़ जाति वादी संवादी, वाद्य समय व गतो का ताल के साथ लेखन व अपने वाद्य पर बजाना (एक रजाखानी गत राग खमाज में) कहरवा ताल का पूर्ण परिचय	12
4	राग विहाग का पूर्ण परिचय आरोह अवरोह पकड़ जाति, वादी संवादी वादन समय व गतो का ताल के साथ लेखन व अपने वाद्य पर बजाना (एक रजाखानी गत राग विहाग में) तालों को लिखने का अभ्यास	12
5	राग देश का पूर्ण परिचय आरोह अवरोह पकड़ जाति वादी संवादी वादन समय की जानकारी एवं आरोह अवरोह पकड़ बजाना तालों का हाथ पर प्रदर्शन	12



R Jain
30-5-2021

(डा० राजीव जैन)

Part – C Learning Resources		
Text Books – References Books Others Resources		
विषय – भारतीय संगीत (तंत्र एवं सुषिर वाद्य)		
1	क्रमिक पुस्तिका भाग- 1	लेखक – विष्णु नारायण भातखण्डे प्रकाशक – संगीत कार्यालय हाथरस
2	क्रमिक पुस्तिका भाग- 2	लेखक – विष्णु नारायण भातखण्डे प्रकाशक – संगीत कार्यालय हाथरस
3	राग परिचय भाग – 1	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
4	राग परिचय भाग – 2	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
5	मधुर स्वर लिपि संग्रह भाग – 1	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
6	मधुर स्वर लिपि संग्रह भाग – 2	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद

• Suggested Digital Platform Web Link

- o <https://www.anantaajournal.com/archives/2017/vol3issue3/PartG/3-3-95-696.pdf>
- o <https://nios.ac.in/media/documents/Carnatic Music 243/carnaticmusicbook1/ch1.pdf>
- o <https://indiamusicandculture.weebly.com/indian-musical-instruments.html#:~:text=Indian%20musical%20instruments%20are%20very,other%20hand%20plays%20the%20keyboard>

स्वा. राजीव जैन

RJain
30-5-2021
(श्री० राजीव जैन)

Part D- Assessment And Evaluation (Pactical)			
अधिकतम अंक :		100	
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) :		25	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) :		75	
समय :		1 घंटे	
आंतरिक मूल्यांकन:	असाइमेंट	10 marks	
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्विज/ओरल क्लास टेस्ट/क्लास प्रेजेंटेशन	5 marks	
	सेमिनार	5 marks	
	फाइल रिकॉर्ड	5 marks	
	कुल	25 Marks	
	बाहरी मूल्यांकन विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE)	I. वायवा वॉयस	20 marks
	II. प्रायोगिक प्रस्तुति अपने वाद्य पर (एक मसीतखान एक रजाखानी गत अलाप, तोड़े सहित)	40 marks	
	III. ताल जानकारी	15 marks	
	कुल	75 marks	

Selva

Uain
30-5-2021
(शा० राजीव जैन)

Part A Introduction			
Programme: Certificate Course		Class: B.A. 1 st Year	Year: 2021
Session : 2020-21			
Subject: Indian music playing (tantra and Sushir Vadhya)			
1	Course code	A1-MVAD2P	
2	Course Title	Kriyatmak Sangeet Practical – 2	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocation/.....)	Core course	
4	Pre-requisite(if any)	1) Students who have passed 12th with Music subject can take it as a core subject. 2) Graduate level student can select it as a main subject.	
5	Course Learning outcomes (CLO)	1) After completion of course student can earn their living through it. 2) Can know the characteristics and importance of Indian music. 3) Playing music enhances creative thinking in human life.	
6	Credit Value	Experimental 4 Credit	
7	Total Marks	Max Mrks : 25+75	Min. Passing Marks : 33

Splax

Part – B – Content Of The Course

Total No. of Lectures – Tutorial – Practical : 60 Lectures in a year

Total Practical Hours : 60 Hours

Unit	Topic	No. of Lectures
1	Full introduction of Raga Bhairav – aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument. (masitkhani gat in Raga Bhairav). Full introduction of teentaal.	12
2	Full introduction of Raga Durga – aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument. (masitkhani gat in Raga Durga). Full introduction of dadrataal.	12
3	Full introduction of Raga Khamaj – aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument (rajakhani gat in Raga Khamaj). Full introduction of kahrwa taal.	12
4	Full introduction of Raga Bihag– aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and writing of gat with laya and practice of playing on your instrument (rajakhani gat in Raga Bihag). Dugun writing practice of taal.	12
5	Full introduction of Raga Desh– aaroh, avroh, pakad, jati, vadi, samvadi, playing time and playing aaroh, avroh, pakad on your instrument.	12

Splax

Part – C Learning Resources

Text Books – References Books Others Resources

Subject - Indian Music (Tantra & Sushri Vadhya)

1	Kramik Pustika part-1	Author - Vishnu Narayan Bhatkhande Publisher – Sangeet Karyalaya, Hathras
2	Kramik Pustika part-2	Author - Vishnu Narayan Bhatkhande Publisher - Sangeet Karyalaya, Hathras
3	Raga Parichay part-1	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
4	Raga Parichay part-2	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
5	Madhur swara lipi sangraha part-1	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
6	Madhur swara lipi sangraha part-2	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad

• Suggested Digital Platform Web Link

- <https://www.anantaajournal.com/archives/2017/vol3issue3/PartG/3-3-95-696.pdf>
- https://nios.ac.in/media/documents/Carnatic_Music_243/carnaticmusicbook1/ch1.pdf
- <https://indiamusicandculture.weebly.com/indian-musical-instruments.html#:~:text=Indian%20musical%20instruments%20are%20very,other%20hand%20plays%20the%20keyboard>

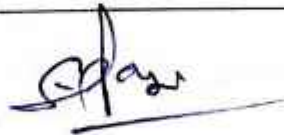
S.P.P.

Part D- Assessment And Evaluation (Pactical)

Maximum Marks:	100		
Countinous Comprehensive Evaluation (CCE)	25		
University Exams (UE)	75		
Time :	1 Hours		
Internal Assessment : Countinuos Comprehensive Evaluation (CCE)	Assignment	10 marks	
	Quiz/oral class test/class presentation	5 marks	
	Seminar	5 marks	
	File record	5 marks	
	Total	25 Marks	
External Assessment University Exams (UE)	1. Viva Voice	20 marks	
	2. Practical Presentation and playing your Instrument (one Masitkhani, one rajakhani gat, alap, tode sahit)	40 marks	
	3. Taal Knowledge -	15 marks	
	Total	75 marks	

S. P. S.

Part – A Introduction			
Programme – Certificate Course		Class – B.A. 1 st Year	Year – 2021
Session : 2020-22			
Subject – भारतीय संगीत (वादन) तंत्र एवं सुधिरवाद्य			
1	Course Code	A1-MVAD2R	
2	Course Title	भारतीय संगीत वादन कोर्स (प्रेक्टिकल)	
3	Course Type	Elective Generic - 2	
4	Prerequisite	3) यह कोर्स का अध्ययन कोर्स भी विद्यार्थी सर्टिफिकेट डिप्लोमा या डिग्री कोर्स के साथ कर सकता है।	
		4) Elective Generic के रूप में यह कोर्स सभी विषय के विद्यार्थी ले सकते हैं।	
5	Course Learning outcomes	3) भारतीय शास्त्रीय संगीत के सितार, वायलिन या हारमोनियम वादन सीख कर संगीतकार या कलाकार बन सकता है।	
		4) अपनी स्वयं की संगीत वादन की कक्षा या Tutorials खोल कर रोजगार कर सकता है।	
6	Credit Value	प्रायोगिक : 2 credit	
7	Total Marks	Max marks : 25+75	Min passing marks : 33



R Jain
30-5-2021
(डॉ० राजीव जैन)

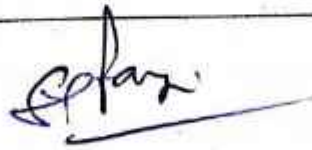
Part – B – Content Of The Course

Elective Generic Practical - 2

Total No. of Lectures – Tutorial – Practical : 30 Lectures in a year

Total Practical Hours : 30 Hours

Unit	Topic	No. of Lectures
1	1) अपने वाद्य के अंगों का परिचय एवं चित्र बनाना। 2) अपने वाद्य को मिलाना सीखना (ट्यूनिंग)	6
2	1) यमन, भूपाली, दुर्गा राग का सम्पूर्ण शास्त्रीय परिचय। 2) सितार के बोलों का अभ्यास/गज संचालन की विधि	6
3	1) काफी और खमाज पूर्ण शास्त्रीय परिचय। 2) ताल वद्ध गत लेखन एवं वादन।	6
4	1) विलम्बित गत का अलाप, तान तोड़े आदि सहित वादन। (राग, यमन में) 2) मध्य लय की गत का 3-3 तोड़े सहित वादन। (राग, काफी, खमाज में)	6
5	1) ताल परिचय रूपक, दादरा, कहरवा और तीन ताल का पूर्ण परिचय एवं हाथ से ताल का प्रदर्शन।	6



Uain
30-5-2021

(डा० राजीव जैन)

Part – C Learning Resources

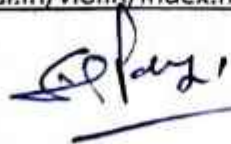
Text Books – References Books Others Resources

विषय – भारतीय संगीत (तंत्र एवं सुषिर वाद्य)

1	मधुर स्वर लिपि संग्रह भाग – 2	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
2	मधुर स्वर लिपि संग्रह भाग – 1	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
3	राग परिचय भाग – 1	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
4	राग परिचय भाग – 2	लेखक – हरीशचंद्र श्रीवास्तव प्रकाशक – संगीत सदन प्रकाशन, साउथ मलाका इलाहाबाद
5	क्रमिक पुस्तिका भाग- 1	लेखक – विष्णु नारायण भातखण्डे प्रकाशक – संगीत कार्यालय हाथरस
6	क्रमिक पुस्तिका भाग- 2	लेखक – विष्णु नारायण भातखण्डे प्रकाशक – संगीत कार्यालय हाथरस

• Suggested Digital Platform Web Link:-

- <https://www.nios.ac.in/media/documents/Hindustani Music 242/hindustanimusictheorybook1/HMB1Ch6.pdf>
- <https://www.jagraniosh.com/general-knowledge/music-in-modern-era-1344326089-1>
- <https://rivazapp.com/singing-courses/practice-swaras/>
- <https://akkarai.in/violin/index.html>



R Jain

30-5-2021

(डा० राजीव जैन)

Part D- Assessment And Evaluation (Pactical)			
अधिकतम अंक :		100	
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) :		25	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) :		75	
समय :		1 घंटे	
आंतरिक मूल्यांकन:	असाइमेन्ट	10 marks	
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्विज/ओरल क्लास टेस्ट/क्लास प्रेजेंटेशन	5 marks	
	सेमिनार	5 marks	
	फाइल रिकॉर्ड	5 marks	
	कुल	25 Marks	
	बाहरी मूल्यांकन विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE)	I. वायवा वॉयस	20 marks
	II. प्रायोगिक प्रस्तुति अपने बग पर (एक मसीतखान एक रजाखानी गत अलाप, तोडे सहित)	40 marks	
	III. ताल जानकारी	15 marks	
	कुल	75 marks	

Handwritten signature

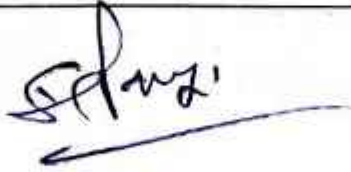
R Jain

20-5-2021

(डॉ० रजिव जैन)

Part – A Introduction

Programme – Certificate Course		Class – B.A. 1 st Year	Year – 2021	Session : 2020-22
Subject - Indian Music (Vadan) Tantra and Sushir Vadhya				
1	Course Code	A1-MVAD2R		
2	Course Title	Bhartiya Sangeet Vadan Course (Practical)		
3	Course Type	Elective Generic - 2		
4	Prerequisite	1) Student with certificate diploma or degree course can take it.		
		2) Students of any subject can take this course as Elective Generic .		
5	Course Learning results	1) One can become a musician or artist by learning to play the sitar, violin or harmonium of Indian classical music.		
		2) You can open your own music playing class or Tutorials .		
6	Credit Value	Experimental: 2 credit		
7	Total Marks	Max marks : 25+75	Min passing marks : 33	



Part – B – Content Of The Course

Elective Generic Practical - 2

Total No. of Lectures – Tutorial – Practical : 30 Lectures in a year

Total Practical Hours : 30 Hours

Unit	Topic	No. of Lectures
1	1) Labeling and drawings pictures of your instrument. 2) Learning to tune your instrument.	6
2	1) Complete introduction of yaman, bhupali, durga raga. 2) Practice of sitar bol / methods of handling of bow.	6
3	1) Complete introduction of kafi and khamaj. 2) Writing and playing gat.	6
4	1) Playing vilambit gat with alap, taan, todae in raga yaman. 2) Playing Madhya laya gat with 3-3 todae in raga kafi and khamaj.	6
5	1) Taal introduction – Roopak, dadara, kaharwa and teental and show taal with hand.	6

S.P.N.

Part – C Learning Resources		
Text Books – References Books Others Resources		
Subject - Indian Music (Tantra & Sushri Vadhya)		
1	Madhur swara lipi sangraha part-1	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
2	Madhur swara lipi sangraha part-2	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
3	Kramik Pustika part-1	Author - Vishnu Narayan Bhatkhande Publisher – Sangeet Karyalaya, Hathras
4	Kramik Pustika part-2	Author - Vishnu Narayan Bhatkhande Publisher - Sangeet Karyalaya, Hathras
5	Raga Parichay part-1	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad
6	Raga Parichay part-2	Author - Harishchandra Shrivastava Publisher - Sangeet Sadan Publications , South Malaka Allahabad

● **Suggested Digital Platform Web Link:-**

- [https://www.nios.ac.in/media/documents/Hindustani Music 242/hindustanimusictheorybook1/HMB1Ch6.pdf](https://www.nios.ac.in/media/documents/Hindustani_Music_242/hindustanimusictheorybook1/HMB1Ch6.pdf)
- <https://www.iagranjosh.com/general-knowledge/music-in-modern-era-1344326089-1>
- <https://riyazapp.com/singing-courses/practice-swaras/>
- <https://akkarai.in/violin/index.html>

S. Day

Part D- Assessment And Evaluation (Pactical)

Maximum Marks:	100		
Countnous Comprehensive Evaluation (CCE)	25		
University Exams (UE)	75		
Time :	1 Hours		
Internal Assessment : Countinuos Comprehensive Evaluation (CCE)	Assignment	10 marks	
	Quiz/oral class test/class presentation	5 marks	
	Seminar	5 marks	
	File record	5 marks	
	Total	25 Marks	
External Assessment University Exams (UE)	1. Viva Voice	20 marks	
	2. Practical Presentation and playing your-Instrument (one rajakhani gat, taan, tode sahit)	40 marks	
	3. Taal Knowledge -	15 marks	
	Total	75 marks	

